न्यायालय न्याय निर्णयन अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, चित्तौड़गढ़

पीठासीन अधिकारी– रतन कुमार (आर.ए.एस.)

प्रकरण संख्या	दायर दिनांक	निर्णय दिनांक
013/2016 (GCMS 2016/00152)	21.12.2016	24.03.2021

अनवान

सरकार जरिये खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिकारी, चित्तौड़गढ़ जिला चित्तौड़गढ़ (राज.)

प्रार्थी

बनाम

1. पूरण दास बैरागी पुत्र विष्णु दास बैरागी
   मैसर्स वैष्णव मिष्ठान भण्डार,
   अणु शक्ति कॉलोनी शॉपिंग सेन्टर,
   पोस्ट रावतभाटा जिला चित्तौड़गढ़
   निवासी आर्दश विद्या मन्दिर के पास,
   नया बाजार रावतभाटा जिला चित्तौड़गढ़।
2. हीरो आलमचन्दानी पुत्र दयाराम आलमचन्दानी
   मैसर्स हनी एन्टरप्राईजेज,
   हाट चौक चेतक मार्केट, पोस्ट रावतभाटा जिला चित्तौड़गढ़।
3. अंकित बोहरा पुत्र चन्द्रप्रकाश बोहरा
   मैसर्स अम्बिका फूड्स,
   262 शॉपिंग सेन्टर कोटा एवं बी 16 गली नं0 8
   कृष्णा नगर वार्ड नं0 33 कोटा।
4. वीरेन्द्र पोरवाल पुत्र कैलाश नाथ पोरवाल (नोमिनी)
   मैसर्स देवयानी फूड इण्डस्ट्रीज लिमिटेड
   आर 21–22–23 पावर हाउस के सामने झोटवाडा,
   इण्डस्ट्रीयल एरिया झोटवाडा जयपुर।
5. इन्द्र प्रताप सिंह पुत्र बी.पी. सिंह (नोमिनी)
   मैसर्स देवयानी फूड इण्डस्ट्रीज लिमिटेड,
   107 किमी स्टोन आगरा दिल्ली हाईवे,
   ग्राम दौताना तहसील छता जिला मथुरा 281401
6. मैसर्स देवयानी फूड इण्डस्ट्रीज लिमिटेड
   एफ–2/7 ऑखला इण्डस्ट्रीयल एरिया
   फेज 1 नई दिल्ली 110020 (निर्माता फर्म)

अप्रार्थीगण

–:: जुर्म अन्तर्गत धारा 26 की उप धारा 2(ii) एफएसएस एक्ट 2006 नियम 2011 ::–

–:: निर्णय ::–

प्रकरण का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी नरेश कुमार चेजारा ने परिवाद अन्तर्गत

Signature Not Verified
Digitally signed by Ratan Kumar
Date: 2021.03.31 12:18:48 IST
Reason: SelfAttested
सत्यमेव जयते
Web Copy - Not Official

धारा 26 की उप धारा 2(ii) के तहत विरूद्ध अप्रार्थीगण के प्रस्तुत कर निवेदन किया कि आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी दिनांक 16.05.2015 को कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी चित्तौड़गढ़ खाद्य सुरक्षा अधिकारी का कार्य संपादन कर रहे थे, और इन्हें राज्य सरकार द्वारा राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना क्रमांक **FH/PFA/Notification/2011/440 Dated 25-07-2011** के अनुसार खाद्य सुरक्षा अधिकारी पद पर नियुक्त किया गया है। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं निदेशक (जन. स्वा.) चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं राजस्थान, जयपुर के आदेश क्रमांक/एसपी 01 दिनांक 26.10.2014 के अनुसार इनका कार्य क्षेत्र जिला चित्तौड़गढ़ आवंटित किया गया था और जिला चित्तौड़गढ़ के अंतर्गत आने वाले समस्त स्थानीय क्षेत्र इनके कार्य क्षेत्र में आते हैं एवं आदेश क्रमांक 491 दिनांक 2.06.2015 के द्वारा इनका स्थानान्तरण कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सवाई माधोपुर के अधीन किया गया। अधिसूचना एवं आदेश की सत्यापित छाया प्रतियाँ न्याय निर्णयन आवेदन के साथ संलग्न है। आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी दिनांक 16.05.2015 को समय 02.30 पी.एम. पर मैसर्स वैष्णव मिष्ठान भण्डार, अणु शक्ति कॉलोनी शोपिग सेन्टर पोस्ट रावतभाटा जिला चित्तौड़गढ़ पर पहुँचें। वहा पर पूरणदास बैरागी पुत्र विष्णु दास बैरागी उम्र 60 वर्ष जाति बैरागी निवासी आदर्श विद्या मन्दिर के पास, मैन रोड़ नया बाजार पोस्ट रावतभाटा जिला चित्तौड़गढ़ उपस्थित थे, को आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने अपना परिचय पत्र दिखाकर परिचय दिया एवं विक्रेता से परिचय लिया, विक्रेता ने स्वयं को फर्म मालिक होना बताया। आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने फर्म का खाद्य अनुज्ञापत्र मांगा जो कि नहीं होना बताया, तत्पश्चात् विक्रेता की उपस्थिति में परिसर का निरीक्षण किया। परिसर में खाद्य पदार्थ मिठाईयां, आइसक्रीम, फ्रोजन डेजर्ट, नमकीन आदि विक्रय हेतु प्रदर्शित थी। खाद्य पदार्थ मिडियम फेट फ्रोजन डेजर्ट (क्रीमबेल) 40 मिली की पोली पैक कार्टुन पैकेट में 70 पोलीपैक डिप फ्रिज में परिसर में रखी हुई थी, के मानक स्तर का नहीं होने का शक होने पर विक्रेता से खाद्य पदार्थ मिडियम मिडियम फेट फ्रोजन डेजर्ट (क्रीमबेल) 40 मिली की पोली पैक कार्टुन पैकेट के क्रय बिल की प्रति मांगी जो कि मौके पर नहीं होना बताया तत्पश्चात् नमूना वास्ते जांच हेतु लेने की सूचना फार्म संख्या **5 a** की प्रति स्वतंत्र गवाह की उपस्थिति में तैयार कर विक्रेता को देकर प्राप्ति रसीद ली, जो की न्याय निर्णयन आवेदन के साथ संलग्न है। आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा खाद्य पदार्थ मिडियम फेट फ्रोजन डेजर्ट (क्रीमबेल) 40 मिली पोली पैक के 36 पोली पैक वास्ते नमूना जांच हेतु कय कर राशि 360/–रूपये नकदी चुकाकर रसीद प्राप्त की जिस पर विक्रेता के हस्ताक्षर है तथा उपस्थित गवाहन के हस्ताक्षर करवाये एवं तस्दीक कर स्वंय आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने हस्ताक्षर किये, जो न्याय निर्णयन आवेदन के साथ संलग्न है। आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने खरीदे गए खाद्य पदार्थ मिडियम

Signature Not Verified

Digitally signed by Ratan Kumar
Date: 2021.03.31 12:18:48 IST
Reason: SelfAttested

सत्यमेव जयते
Web Copy - Not Official

फेट फ्रोजन डेजर्ट (क्रीमबेल) 40 मिली के 36 पोली पैक को 04 अलग अलग भागों में बांटकर प्रत्येक भाग के पोली पैक को खोल कर कांच के जारों में भरकर 04 नमूना भाग तैयार कर प्रत्येक नूमने भाग में परिरक्षी फोर्मलीन की 36–36 बूंदे डाल कर चारों नमूने भागों को अच्छी तरह बंद कर आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा चार लेबल तैयार किये गये, जिन पर नमूने का विवरण अंकित कर प्रत्येक नमूना भाग एक–एक लेबल चिपकाया, प्रत्येक नमूना भाग के साथ खाली पोली पाउच लपेट कर प्रत्येक नमूना भाग को मोटे खाकी कागज में लपेटकर अभिहित अधिकारी चित्तौड़गढ़ से प्राप्त पेपर स्लिप क्रमांक एएम 538 प्रत्येक नमूना भाग पर चिपककर प्रत्येक नमूना भाग को धागे से बांधकर नियमानुसार सील चपडी किया। प्रत्येक नमूना भाग पर विक्रेता के हस्ताक्षर नियमानुसार इस प्रकार करवायें कि पेपर स्लिप व रेपर दोनों पर आवें एवं सीलबन्द नमूनों पर गवाहों के हस्ताक्षर कराकर नमूने का पूर्ण विवरण लिखकर आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा हस्ताक्षर कर चारों नमूना भागों को अपने कब्जे में लिया। आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने मौके पर फर्द रिपोर्ट तैयार कर विक्रेता एवं गवाहान को पढ़कर, सुनाकर एवं समझाकर हस्ताक्षर करने को कहा जिसे विक्रेता पूरणदास बैरागी पुत्र विष्णुदास ने भी पढ़कर, समझकर सही मानकर हस्ताक्षर किये। फर्द रिपोर्ट न्याय निर्णयन आवेदन के साथ संलग्न है। आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने कार्यालय पहुँच कर फार्म नं. 6 की प्रतियाँ तैयार की और प्रत्येक पर वह नमूना सील लगाई जिससे नमूना सील किया। एक नमूना भाग मय फार्म सं. 6 की प्रति के आउटर कवर में सीलबन्द कर सील मोहर कर एवं 02 प्रति फार्म नं0 6 की अलग से सील्ड लिफाफे में पत्रवाहक माधवलाल चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी चित्तौड़गढ़ द्वारा खाद्य विश्लेषक, उदयपुर को जमा करवा कर अलग–अलग रसीद प्राप्त की गई जो की न्याय निर्णयन आवेदन के साथ संलग्न है। दो सील बन्द नमूना भाग मय फार्म सं. 6 की दो प्रतियों के आउटर कवर में सील बन्द कर तथा नमूने का चौथा भाग मय फार्म नं 6 की प्रति के डी.ओ. (मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी) चित्तौड़गढ़ को जमा कराकर रसीद प्राप्त की जो कि न्याय निर्णयन आवेदन के साथ संलग्न है। आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी को डी.ओ. एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, चित्तौड़गढ़ के पत्र क्रमांक एफएसएसए/2015/2127 दिनांक 19.06.2015 के द्वारा ज्ञात हुआ कि खाद्य विश्लेषक जयपुर से प्राप्त जांच रिर्पोट सं. एलएस 266/एक्ट/2015/328 दिनांक 09.06.2015 के अनुसार विक्रेता द्वारा वास्ते नमूना जाँच विक्रय किया गया खाद्य पदार्थ मिडियम फेट फ्रोजन डेजर्ट (क्रीमबेल) 40 मिली पोली पैक सब स्टैन्डर्ड पाया गया हैं। जाँच रिपोर्ट न्याय निर्णयन आवेदन के साथ संलग्न है। आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा अनुसंधान बाबत मैसर्स वैष्णव मिष्ठान भण्डार रावतभाटा जिला चित्तौड़गढ़ को पत्र लिखा गया, जो कि न्याय निर्णयन आवेदन के साथ संलग्न है। मैसर्स वैष्णव

Signature Not Verified

Digitally signed by Ratan Kumar
Date: 2021.03.31 12:18:48 IST
Reason: SelfAttested

सत्यमेव जयते
Web Copy - Not Official

मिष्ठान भण्डार रावतभाटा जिला चित्तौड़गढ़ ने प्रत्युत्तर में खाद्य मिडियम फेट फ्रोजन डेजर्ट (क्रीमबेल) 40 मिली पोली पैक के क्रय बिल की छायाप्रति भिजवायी जो कि न्याय निर्णयन आवेदन के साथ संलग्न है। मैसर्स हनी एन्टरप्राईजेस रावतभाटा ने फर्म के खाद्य अनुज्ञा पत्र, वाणिज्यकर रजिस्ट्रेशन पत्र एवं खाद्य पदार्थ मिडियम फेट फ्रोजन डेजर्ट (क्रीमबेल) 40 मिली पोली पैक के क्रय बिल की छाया प्रति भिजवायी जो, कि न्याय निर्णयन आवेदन के साथ संलग्न है। आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा मैसर्स अंबिका फुड्स कोटा को पत्र लिख कर सूचनाएं चाही गयी पत्रों की प्रति न्याय निर्णयन आवेदन के साथ संलग्न है। मैसर्स अंबिका फुड्स कोटा ने प्रत्युत्तर मय खाद्य अनुज्ञापत्र, क्रय बिल की छायाप्रति, फर्म मालिक अंकित बोहरा के निर्वाचन आयोग पहचान पत्र की छाया प्रति एवं वाणिज्य कर रजिस्ट्रेशन की छाया प्रति भिजवायी जो कि न्याय निर्णयन आवेदन के साथ संलग्न है। आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा अनुसंधान बाबत् मैसर्स देवयानी फुड इण्डस्ट्रीज लिमिटेड जयपुर एवं फर्म के निदेशकों को पत्र लिखा गया पत्र की प्रति न्याय निर्णयन आवेदन के साथ संलग्न है। मैसर्स देवयानी फुड इण्डस्ट्रीज लिमिटेड ने प्रत्युत्तर मय मैसर्स देवयानी फुड इण्डस्ट्रीज लिमिटेड जयपुर के खाद्य अनुज्ञा पत्र वेट इनवाईस की प्रतियां, फर्म के नोमिनी एवं मैसर्स देवयानी फुड इण्डस्ट्रीज लिमिटेड मथुरा के खाद्य अनुज्ञा पत्र एवं नोमिनी की प्रतियां भिजवायी जो कि न्याय निर्णयन आवेदन के साथ संलग्न है। आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा प्रकरण के समस्त दस्तावेज पत्रांक एफएसएसए/2015/2127 दिनांक 19.06.2015 की पालना में अभिहित अधिकारी एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी चित्तौड़गढ़ को जमा कराये गये। प्रकरण में निर्धारित समयावधि एक वर्ष पूर्ण हो जाने पर समयावधि बढाने बाबत् अभिहित अधिकारी चित्तौड़गढ़ द्वारा आयुक्त (खाद्य सुरक्षा) जयपुर को पत्र लिखा गया जो कि न्याय निर्णयन आवेदन के साथ संलग्न है। आयुक्त (खाद्य सुरक्षा) जयपुर द्वारा प्रकरण मे समयावधि 31 जनवरी 2017 तक विस्तारित करने के आदेश जारी किये जो न्याय निर्णयन आवेदन के साथ संलग्न है। अभिहित अधिकारी चित्तौड़गढ़ द्वारा प्रकरण मे कार्यालय के पत्र क्रमांक एफएसएसए/2016/5633 दिनांक 17.11.2016 के द्वारा आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी को उक्त केस मे न्याय निर्णयन आवेदन फाईल करने हेतु प्राधिकृत किया है, जो कि न्याय निर्णयन आवेदन के साथ संलग्न हैं । उक्त प्रकरण में उपर अंकित अभियुक्त नं. 1 से 4 ने सब स्टैन्डर्ड धारा **3(1)(zx)** खाद्य पदार्थ मिडियम फेट फ्रोजन डेजर्ट (क्रीमबेल) 40 मिली पोली पैक का विक्रय कर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 की धारा 26 की उप धारा (2) (**ii**) का उल्लधंन किया है एवं अभियुक्त संख्या 5 एवं 6 ने सब स्टैन्डर्ड धारा **3(1)(zx)** खाद्य पदार्थ मिडियम फेट फ्रोजन डेजर्ट (क्रीमबेल) 40 मिली पोली पैक का निर्माण एवं विक्रय कर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 की धारा 26 की उप धारा (2)(**ii**) का

Signature Not Verified

Digitally signed by Ratan Kumar
Date: 2021.03.31 12:18:48 IST
Reason: SelfAttested

सत्यमेव जयते
Web Copy - Not Official

उल्लधंन किया है जो कि खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 की धारा 51 में जुर्माने योग्य अपराध है। अन्त में आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा प्रार्थना की गई कि उपरोक्त आवेदन न्याय निर्णयन श्रीमान को प्रस्तुत कर दिया गया है जिसे स्वीकार निवेदन है कि उक्त अभियुक्तगणों पर अधिकतम जुर्माना लगाया जाए ताकि आम जनता को सुरक्षित खाद्य उपलब्ध कराया जा सके।

इस पर प्रार्थी खाद्य सुरक्षा अधिकारी, कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, चित्तौड़गढ द्वारा प्रस्तुत परिवाद को दर्ज रजिस्टर किया जाकर अप्रार्थी को जरिये नोटिस के तलब किया गया। इस पर दिनांक 30.01.2017 को अप्रार्थी संख्या 1, 6 की और से जवाब परिवाद पेश किया गया जो कि शामिल पत्रावली है। अपने जवाब परिवाद में अप्रार्थी संख्या 1 ने बताया कि हमारी दुकान से कीमबेल आइस्कीम का सेम्पल भरा था उक्त आईसक्रीम हमारे द्वारा नही बनाई जाकर हमारे द्वारा केवल मात्र खुदरा विक्रय का कार्य करते है। इस आइस्क्रीम का जब सेंम्पल भरा गया उस वक्त हमारे पास इससे संबंधित बिल आदि संबंधित दस्तावेज सभी सही होकर हमारे द्वारा संबंधित अधिकारी जी को प्रस्तुत कर दिये गये। हमारे द्वारा आइसक्रीम के साथ किसी प्रकार की कोई छेडछाड नही की गई व हमारे यहॉ से आइसक्रीम का कंपनी पेक सेम्पल लिया था। हमारे द्वारा उक्त आइसक्रीम को कंपनी से लाने के बाद केवल विक्रय किया जाता है, इसके बारे में हमें अन्य कोई ज्यादा जानकारी भी नही है। सिर्फ हमारे यहॉ से सेम्पल भरा गया था, एवं सेम्पल लेते समय अधिकारी जी ने हमारे से हस्ताक्षर करवाये थे। इस प्रकार वक्त जांच संबंधित अधिकारी द्वारा मौके पर उक्त आइसक्रीम का सेम्पल लेकर हमारे हस्ताक्षर कराये गये थे इस आधार पर हमारा कोई दोष नही है। इसलिए नियमानुसार उक्त नोटिस की कार्यवाही को इसी स्टेज पर ड्रोप कराई जाना न्याय हित में व न्याय दृष्टि से उचित है, फिर भी श्रीमान हम भविष्य में आप द्वारा निर्देशित नियम व शर्तो की पूर्ण पालना करने के लिए सदैव तत्पर व तैयार रहेगें व भविष्य में किसी प्रकार की चूक नही करेगें। अतः प्रार्थना है कि जवाब नोटिस स्वीकार फरमाया जाकर प्रार्थी के विरूद्ध प्रेषित नोटिस की कार्यवाही को इसी स्टेज पर ड्रोप फरमाई जावे व प्रार्थी को दोषमुक्त फरमाया जावे। अप्रार्थी संख्या 1 की और से जवाब परिवाद शामिल पत्रावली होकर रिकार्ड पर है। अप्रार्थी संख्या 6 ने अपने जवाब परिवाद में बताया कि विपक्षी संख्या 1 से खाद्य पदार्थ मिडियम फेट फ्रोजन डेजर्ट (क्रीमबेल) 40 मिली पोली पैक का नमूना जांच हेतु लिया गया था जो सब स्टेण्डर्ड पाया गया है। विपक्षी संख्या 1 के पास चूंकि कोई खाद्य पदार्थ क्रय विक्रय का लाइसेंस नहीं था तो इस स्थिति में उसे उक्त खाद्य पदार्थ को क्रय विक्रय का अधिकार ही नहीं था। इस कारण अभियुक्त संख्या 6 का कोई अपराध नहीं है। अभियुक्त संख्या 6 के विरूद्ध कार्यवाही समाप्त फरमावें। अप्रार्थी संख्या 6 की और से प्रस्तुत जवाब परिवार शामिल पत्रावली होकर रिकार्ड पर

Signature Not Verified

Digitally signed by Ratan Kumar
Date: 2021.03.31 12:18:48 IST
Reason: SelfAttested

सत्यमेव जयते
Web Copy - Not Official

है। दिनांक 2 को अप्रार्थी संख्या 2 के विरूद्ध कार्यवाही एक तरफा अमल में लाई गई। दिनांक 02.03.2017 को अप्रार्थी संख्या 2, 3, 4, 5 की और से उनके अधिवक्ता हाजिर आये एवं अधिकार पत्र पेश किया जो शामिल पत्रावली है। दिनांक 17.03.2021 को विपक्षी संख्या 2, 3, 4, 5 एवं 6 की और से जवाब परिवाद पेश किया गया जो कि शामिल पत्रावली होकर रिकार्ड पर है। अपने जवाब परिवाद में विपक्षीगण ने बताया कि The Answering Respondents are in receipt of the notice with respect to the Application and without prejudice to their rights and contentions the answering Respondents states as under

A. That on 16.05.2015 at about 02.30 pm the Applicant Sh. Naresh Kumar Chejara, Food Safety Officer (FSO), Chittorgarh inspected the premises of M/s Vaishnav Mishthan Bhandar situated at Aanu Shakti Colony Shopping Centre, Chittorgarh. On inspection, the FSO / applicant found Respondent No. 1 i.e. Sh. Puran Das Bairagi, Proprietor of the said shop conducting business in the shop. The applicant / FSO after disclosing his identity to Respondent No. 1 conducted inspection of the said shop and took sample of "Choco-Bar Medium Fat Frozen Dessert" 40ml (Creambell Brand). The sampled commodity consisted of 40ml x 36 units amounting to 1440 ml. The applicant / FSO prepared spot documents including Form – VA, purchase receipt etc. and prepared four counterparts after opening the poly packs and homogenizing the same, requisite amount of formalin were also added to each counterparts so prepared by the applicant / FSO.
B. That one counterpart of the sampled commodity was forwarded to the Food Analyst, Udaipur, who vide its report dated 09.06.2015 declared the sampled commodity as sub-Standard. In his opinion the total fat contenis was found to be 19.79% against the prescribed standard of more than 2.5% but less than 10.0% and total protein was found to be 3.26% against minimum prescribed limit of 3.5%.
C. That the applicant / FSO after completion of investigation, filed the present complaint against Sh. Pooran Das Bairagi i.e. Respondent No. 1 as the vendor / FBO, Mr. Hiro Alamchandani i.e. Respondent No. 2 being supplier to Respondent No. 1, Mr. Ankit Bohra i.e. Respondent No. 3 being Super Stockiest and supplier to Respondent No. 2, Mr. Virender Porwal i.e. Respondent No. 4 being Nominee of M/s Devyani Food Industries Ltd., Jaipur, Mr. Inder Pratap Singh i.e. Respondent No. 5 being Nominee of manufacturing unit of M/s Devyani Food Industries Ltd. at Mathura and Respondent No. 6 i.e. M/s Devyani Food Industries Ltd., New Delhi being the manufacturing Company.

BRIEF REPLY / OBJECTIONS ON MERITS

1. That the answering Respondents submit that the Application filed by the FSO / Applicant suffers from infirmities and as such is in complete violation of the FSS Act and Rules & Regulations made thereunder.

Signature Not Verified

Digitally signed by Ratan Kumar
Date: 2021.03.31 12:18:48 IST
Reason: SelfAttested

सत्यमेव जयते
Web Copy - Not Official

2. APPLICATION BARRED BY LIMITATION - EXTENSION SOUGHT AND GRANTED AFTER EXPIRY OF STATUTORY PERIOD OF LIMITATION - NOT A VALID EXTENSION UNDER LAW

a. It is submitted that the application filed by the applicant / FSO and cognizance taken by this Hon'ble Authority subsequently on the application is bad in law as the application was filed after expiry of statutory period of limitation under Section 77 of the FSS Act. In fact it is humbly submitted that in the present complaint the Designated Officer has moved an application for extension to the Commissioner, Food Safety after expiry of the statutory period of limitation and therefore, the subsequent sanction for extension of the limitation period by the Commissioner (Food Safety) to file the present application, suffers from infirmity.

b. It is submitted that the sampled commodity was admittedly taken by the applicant / FSO from Respondent No. 1 on 16.05.2015. Thereafter, as per application and documents annexed with the application, a letter was sent by the Designated Officer to the Commissioner, Food Safety, Rajasthan dated 03.10.2016. It is pertinent to mention herein that even the communication for extending the time to launch present prosecution was sent much after the expiry of statutory period of limitation of one year i.e.15.05.2016 as contemplated in Section 77 of the FSS Act. Therefore, the Commissioner (Food Safety) could not have granted the extension for launching the prosecution retrospectively vide order dated 04.11.2016 and endorsing approval for filing of the present application.

c. It is submitted that the Designated Officer should have applied for extension of the period of prosecution in the present case before the expiry of the statutory period of One year in order to make the extension so granted by the State Food Commissioner a valid sanction for extension of time. The extension being not a valid extension as the same was requested by the Designated Officer after expiry of the statutory period of One ycar and was granted by the Food Commissioner, therefore, the same is void ab-initio and application deserves to be dismissed. The following judgments are relied upon:

(i) Rakesh Kumar Vs. State (NCT of Delhi)
ILR (2009) V Delhi 309 (Delhi)

(ii) I.J. Rao, Asstt. Collector of Customs & Anr Vs. Bibhuti Bhushan Bagh & Anr. - 1989 (24) ECR 1 (SC)

It has been held that Sanction obtained after the period of limitation was over is no Sanction in the eyes of law and therefore, the prosecution suffers from infirmity and is bad in law.

d. That the answering Respondents relying on the contentions above further submits that the sanction for launching the prosecution dated 17.11.2016 by the Designated Officer ab-initio is void as the sanction for launching the prosecution was given on 17.11.2016 much after expiry of statutory limitation and on the basis of order dated 04.11.2016 of the Commissioner (Food Safety), Rajasthan, who was not empowered to grant the same much after cxpiry of limitation and retrospectively much after expiry of original statuary limitation under the FSS

Signature Not Verified

Digitally signed by Ratan Kumar
Date: 2021.03.31 12:18:48 IST
Reason: SelfAttested

सत्यमेव जयते
Web Copy - Not Official

Act. In this context reliance is placed upon the judgment of Hon'ble High Court of Madhya Pradesh in following case:

(iii) Dayachand Vs. The State of Madhya Pradesh
2017 (1) FAC 253 (Madhya Pradesh) - Para – 6

Where the Hon'ble High Court of Madhya Pradesh held that the period of limitation of One Year as contemplated under Section 77 of the FSS Act starts the date of sampling and all the formalities are required to be completed within a period of one year so that the accused persons are not adversely affected.

It is submitted that in view of the above cited judgment also, the Designated Officer ought to have applied for extension of the time period to the Commissioner, Food Safety before the cxpiry of One Year from the date of sampling. However, the concerned Designated Officer had applicd for extension after a lapse of more than 4 months of expiry of the statutory period of limitation, hence the application deserves to be dismissed at threshold.

e. That the answering Respondents without prejudice to the above submissions, humbly submits that the subsequent cognizance by this Hon'ble Authority against the Respondents including answering Respondents is also bad in law as ab-initio the application being barred by limitation as submitted above. It is, therefore, submitted that the present application and subsequent cognizance by this Hon'ble Authority is untenable in law, hence, the present application deserves to be dismissed.

f. That the answering Respondents submit that as per Section 77 of the FSS Act, 2006 which provides for time limit for prosecutions states that:

> "Section 77 - Time Limit for Prosecutions:
>
> Notwithstanding anything contained in this Act, no Court shall take cognizance of an offence under this Act after the expiry of the period of One year from the date of commission of an offence:
>
> Provided the Commissioner of Food Safety may, for reasons to be recorded in writing, approve prosecution within an extended period of upto Three years."

That the answering Respondents humbly submits that as the communication by the concerned Designated Officer to the Commissioner, Food Safety, Rajasthan for extension of time limit to file the present application was made much after expiry of statutory period of limitation which expired on 15.06.2016, therefore, the extension of time limit granted by the Commissioner (Food Safety) vide letter dated 04.11.2016 is untenable in law. Therefore, the answering Respondents submit that the present application as well the cognizance on the complaint is barred by limitation.

g. That the answering Respondents further rely on the following judgments:

(iv) Anoop Kumar Gupta Vs. State of U.P & Another
2015 (1) FAC 468 (Allahabad)

Wherein, the Hon'ble High Court of Allahabad has held that the issue of maintainability of complaint with regard to the limitation as envisaged under Section 77 of the FSS Act has to be decided first before proceeding with the case.

Signature Not Verified

Digitally signed by Ratan Kumar
Date: 2021.03.31 12:18:48 IST
Reason: SelfAttested

सत्यमेव जयते
Web Copy - Not Official

Further, in case titled Dayachand Vs. The State of Madhya Pradesh as cited above, wherein the Hon'ble High Court has held that where the complaint has been filed after expiry of statutory period of one year from the date of sampling, the complaint so filed is barred by statutory period of limitation as envisaged under section 77 of the FSS Act and therefore, the application filed after expiry of the said statutory period of limitation is not maintainable.

h. It is, therefore, submitted that the present application is barred by limitation as per provisions of Scction 77 of thc FSS Act and subsequent Sanction for extension of time by the Commissioner(Food Safety) is also void ab-initio in vicw of the above submissions. Hence, the present complaint deserves to be dismissed on this ground alone.

i. Without prejudice to the above submissions and fully relying on the same it is further submitted that cven otherwise the communication of the Designated Officer dated 03.10.2016 and the subsequent order of the Commissioner, Food Safety, Rajasthan is untenable as the concerned Designated Officer failed to record any reasoning for request of extension of time and the Commissioner, Food Safety while granting extension also failed to record any reasons in writing for extension of the time to launch prosecution against the answering Respondents even after cxpiry of statutory period of limitation, thereby, the extension order dated 04.11.2016 is in violation of mandatory provision of Section 77 of the FSS Act which clearly states that the Commissioner of Food Safety may, for reasons to be recorded in writing, approved prosecution within an extended period of up to three years.

It is humbly submitted as no reasons in writing to approve the prosecution was given by the Commissioner, Food Safety, the order dated 04.11.2016 of cxtension of time is void and hence the present complaint deserves to be dismissed.

3. SAMPLING PROCEDURE FAULTY - MANDATORY PROCEDURE NOT FOLLOWED:

a. That the Respondents without prejudice to the above submissions and fully relying on the same further submit that even otherwise the present application deserves to be dismissed as the applicant / FSO miserably failed to follow corrcct sampling procedure with regard to Medium Fat Frozen Dessert which resulted in incorrect sample / unrepresentative counter parts and thus resulted in unfair and erroneous analysis of the sampled commodity by the Food Analyst.

b. That kind attention of this Hon'ble Authority is drawn to Regulation 2.1.7 (3) of Food Safety & Standards (Food Products Standards and Food Additives) Regulations, 2011 which deals with the standards of Frozen Dessert including Medium Fat Frozen Dessert. The Regulation states as under:

> 3. Frozen Dessert / Frozen Confection (hereafter referred to as the said product) means the product obtained by freezing a pasteurised mix prepared with milk fat and / or edible vegetable oils and fat having a melting point of not more than 37.0 degree C in combination and milk protein alone or in combination / or -vegetable protein products singly or

Signature Not Verified

Digitally signed by Ratan Kumar
Date: 2021.03.31 12:18:48 IST
Reason: SelfAttested

सत्यमेव जयते
Web Copy - Not Official

in combination with the addition of nutritive sweetening agents e.g. sugar, dextrose, fructose, liquid glucose, dried liquid glucose, maltodextrin, high maltose com syrup, honey, fruit and fruit products, eggs and egg products coffee, cocoa, chocolate, condiments, spices, ginger, and nuts. The said product may also contain bakery products such as cake or cookies as a separate layer/or coating, it may be frozen hard or frozen to a soft consistency. It shall have pleasant taste and flavour free from off flavour and rancidity and may contain food additives permitted in Appendix A. It shall conform to the microbiological requirements prescribed in Appendix B. It shall conform to the following requirements:-

Requirement	Frozen Dessert / Frozen Confection	Medium Fat Frozen Dessert/ Frozen Confection	Low Fat Frozen Dessert/Frozen Confection
1	2	3	4
Total Solid	Not less than 36.0 per cent	Not less than 30.0 per cent	Not less than 26.0 per cent
Wt/Vol (gms/1)	Not less than 525	Not less than 475	Not less than 475
Total Fat	Not less than 10.0 per cent	more than 2.5 per cent but less than 10.0 per cen	Not more than 2.5 per cent
Total Protein (N X 6.25)	Not less than 3.5 per cent	Not less than 3.5 per cent	Not less than 3.0 per cent

Note: In case where Chocolate, Cake or similar foodcoating, base or layer forms a separate part of the product only the frozen dessert/ confection portion shall conform to the requirements given above. The type of frozen confection shall be clearly indicated on the label otherwise, standards of frozen dessert i frozen confection shall apply and every package of Frozen Dessert / Frozen Confection shall bear proper label declaration under regulation 2.4,5 (1) of Food Safety and Standards (Packaging and labelling) Regulations, 2011,

It is submitted that the note to the said Regulation in clear terms states that wherein chocolate, cake or similar food conting, base or layer forms a separate part of the product, only the Frozen Dessert /Confection portion shall conform to the requirements given above. It is, therefore, submitted that only the portion which forms Frozen Dessert has to comply with the required standards.

In the present case evidently the sampled commodity consisted of a chocolate coating layered on the medium fat frozen Dessert. Therefore, the FSO / applicant ought to have removed the outer covering of chocolate which evidently formed separate part of the sampled commodity. However, as per the application and documents no such procedure was adopted by the applicant / FSO during sampling, hence, this resulted in improper and incorrect sampling which subsequently resulted in the sampled counterparts so prepared by the FSO / applicant not as per the FSS Act and Regulations and as the sampled counterparts were not prepared properly, it resulted in incorrect Analysis by

Signature Not Verified

Digitally signed by Ratan Kumar
Date: 2021.03.31 12:18:48 IST
Reason: SelfAttested

सत्यमेव जयते
Web Copy - Not Official

Food Analyst. It is, therefore, submitted that the present application deserves to be dismissed on this ground alone.

c. That the answering Respondents without prejudice to the above submissions further submit that the Food Safety Officer, as per the application, had taken the sampled commodity after opening the sealed package of the Medium Fat Frozen Dessert (MFFD). The applicant / FSO had failed to take the said sample of the MFFD in proper manner and as per the Food Safety & Standards Act, 2006 and Rules & Regulations made thereunder. It has been held by the various High Courts and the Apex Court that wherein the sample has not been taken properly and without following Rules and Regulations in this regard, the complaint and prosecution are bad in law and hence not sustainable.

4. NON COMPLAINCE OF MANDATORY PROVISIONS OF SECTION 46 (4) OF THE FSS ACT READ WITH RULE 2.4.6 OF THE FSS RULES.

a. That in the present application filed by the applicant / FSO no notice under Section 46 (4) read with Rule 2.4.6 was ever sent to the answering Respondents. It is humbly submitted that the proceedings adopted by the concerned Designated Officer is against the Principal of Natural Justice and is in blatant violation of Food Safety & Standards Rules, 2011 which has resulted in miscarriage of justice.

It is submitted that the Analysis Report of the Food Analyst was never sent to the answering Respondents. That the Rule 3.1.1 of the Food Safety & Standards Rules, 2011 provides for a right of appeal which can be filed before the Designated Officer against the report of Food Analyst, by the person from whom the sample was taken or the persons, whose names and addresses and other particulars have been disclosed under Rule 2.5 or wholesaler or Manufacturer. Further Rule 2.4.2 (6) provides that on receipt of the report of analysis by the Food analyst, the Designated Officer shall send one copy of the report to the Food Business Operator from whom the sample was taken. On combined interpretation and harmonious constructions of these referred Rulcs, an Appeal before the Designated Officer can be filed by the person from whom the sample was taken or the persons, whose names and addresses and other particulars have been disclosed under Rule 2.5 or wholesaler or Manufacturer

b. It is submitted that the report of the Food Analyst was never sent to the Respondents inspite of the fact that the details were clearly mentioned on label declaration of the sampled commodity and communication / letter being sent by Respondent No. 1 i.e. Mr. Pooran Das Bairagi that the said sampled commodity was supplied to him by Rcspondent No. 2. That the applicant / FSO though had issued letter dated 04.04.2016 and 02.05.2016 (which also proves beyond any reasonable doubt that the name of the Company M/s Devyani Food Industries Ltd. was in the knowledge of the concerned Food Safety Officer) but the applicant or Designated Officer failed to send any notice under Section 46 (4) of the FSS Act along with the report of Food Analyst, Udaipur to the Respondent No. 4,5 & 6 which resulted in frustration of their right to prefer an appcal under

Signature Not Verified

Digitally signed by Ratan Kumar
Date: 2021.03.31 12:18:48 IST
Reason: SelfAttested

सत्यमेव जयते
Web Copy - Not Official

section 46 (4) of the FSS Act to get the sample re-analysed by the Referral Food Laboratory. Therefore, the proccedings adopted by the concerned Designated Officer is bad in law and has resulted in miscarriage of justice by frustrating the valuable right of answering Respondents u/s 46 (4) of the FSS Act. It is, therefore, submitted that the present application deserve to be dismissed on this ground alone.

The following judgments are relied upon to support the above submission:

(v) Rameshwar Dayal vs. State of U.P.,
1996 (2) FAC 197 (SC) - Para – 1

(vi) Phool Chand Vs. State of UP
2009 (2) FAC 108 (Allahabad) - Para - 6 & 8

(vii) Ram Charan Vs. State of Rajasthan
1990 WLN (UC) 74 (RAJ)

(viii) Bhanwara Ram Vs. State of Rajasthan 2010 (1) WLN 270 (RAJ)

5. VIOLATION OF SECTION 42 (2) 46 (3) OF THE FSS ACT READ WITH RULE 2.4.2 (5) OF FSS RULES, 2011 AS DELAY IN PROVIDING ANALYSIS REPORT BY FOOD ANALYST

a. That the said sample was taken on 16.05.2015 by the applicant / FSO and was reported to be substandard vide report dated 09.06.2016.
It is submitted that as per provisions of Sections 42 (2) and 46 (3) of the Food Safety & Standards Act, 2006 (ACT) read with Rule 2.4.2(5) cast a duty on Food Analyst to analyse and send the analysis report in respect of a sample within 14 days from date of receipt of sample. The Food analyst has, therefore, clearly violated the above Sections and Rule and provided the report much beyond the stipulated time as prescribed.

b. Further, Proviso to sub-Rule 6 provides that in case the sample cannot be analyzed by the Food Analyst within 14 days of receipt, the Food Analyst shall inform the Designated Officer (DO) and the Commissioner of Food Safety giving reasons and specifying the time to be taken for analysis. There is no explanation provided by the Food Analyst for such an inordinate delay either in report or to Designated Officer. Therefore, the present complaint is not maintainable and liable to be dismissed.

c. That it is humbly submitted the Food Analyst received the sampled commodity on 18.05.2015 and reported the sample to be substandard vide report dated 09.06.2016. It is submitted that the sampled commodity was finalized in about 22 days. These facts clearly show that the Food Analyst miserably failed to follow the above mandatory provisions and hence, the report of the Food Analyst cannot be relied upon.

d. It is submitted that the Food Analyst cannot in a general manner request for extension of time for analysis, but on the contrary in view of above proviso, the time required in addition of 14 days has to be informed with reasons to the D.O. and Commissioner, Food Safety for a particular sample. It is further submitted that in view of above proviso, the Ld. A.O. / ADM erred in relying the letter dated 27.05.2015 from the Food Analyst to the D.O.& Deputy Director / CMHO, Food

Signature Not Verified

Digitally signed by Ratan Kumar
Date: 2021.03.31 12:18:48 IST
Reason: SelfAttested

सत्यमेव जयते
Web Copy - Not Official

Safety, wherein a general extension for analysis of sample was asked for by the Food Analyst. Therefore, it is submitted the report of Food Analyst being in violation of the above provison cannot be relied upon and complaint deserves to be dismissed.

6. ADDITIONAL SUBMISSIONS
   a. Without prejudice to the above contentions, the answering Respondents further submit that the laboratory of Food Analyst, Udaipur was not an accredited laboratory as required under Section 43 and was not a recognized laboratory from FSSAI under Section 3(p) of the FSS Act at the relevant time and hence, in absence of accreditation and recognition, the report of Food Analyst could not be relied upon and form basis of prosecution of the answering Respondents herein. It is therefore, submitted that the present complaint is not maintainable and is liable to be dismissed.
   b. The present complaint is liable to be dismissed as no independent public witnesses were made to join the sampling procedure as adopted by the applicant is totally contrary to the provisions of the FSS Act as well as principles of natural justice.
   c. That answering Respondents submits that the sanction granted by the Designated Officer is without application of mind and in mechanical manner as the Designated Officer failed to observe the flaws committed by the applicant while sampling, preparing of documents and filing of the application and the Food Analyst while analyzing the sample which were in complete contravention of the FSS Act and Rules and Regulations made thereunder. The application also suffers from various infirmities as described above. It is, therefore, submitted that the application deserves to be dismissed.
7. That the Respondents further submit that the functions and duties of Food Analyst have been clearly enumerated under the provisions of FSS Act, 2006 and its Rules. The sole function and duty of the Food Analyst is to analyze the sample as and when the samples have been sent by the Food Safety Officer under the FSS Act, 2006 and in terms of Section 46 (3) (1) of the FSS Act, 2006, furnish four copies of report indicating the method of sampling and analysis. The Report has to be given as per the format provided as per Rules 2.4.2 in Form VIIA whereas the Food Analyst has issued an analysis report in Form B in reference to Regulation 2.3.1 (ii) of Food Safety and Standards (Laboratory and Sample Analysis) Regulation 2011 which is in exercise of powers conferred by clause (q) of sub section (2) of Section 92 read with Section 40 and 43 of the Food Safety Standards Act, 2006. It is submitted that as the report by the Food Analyst was not given in proper format the present application which is filed on the basis of said report is untenable hence descrves to be dismissed.
8. That the answering Respondent No. 2 & 3 further submits that even otherwise they are protected by "guarantce" clausc under Section 26 (4) of the Food Safety & Standard Act 2006. The proviso clausc of the said Section states that a bill, cash memo or invoice in respect of the sale of any article of food given by a food business operator to the vendor shall be deemed to be a "guarantee" under this section, cven

Signature Not Verified

Digitally signed by Ratan Kumar
Date: 2021.03.31 12:18:48 IST
Reason: SelfAttested

सत्यमेव जयते
Web Copy - Not Official

if a guarantee in the specified form is not included in the bills, cash Memo or invoice. It is, further, submitted that the answering Respondents No. 2 & 3 are entitled for defense of due diligence under Section 80 (B) (2) (a) (i) (d) (i) of the Food Safety and Standard Act, 2006 and therefore, are entitled to get the benefit of guarantee & due diligence and are liable to be discharged from the present complaint, in event of production of bill / invoice pertaining to the sampled commodity. The relevant invoices arc annexed as Annexure – A (colly.) for kind perusal of this Hon'ble Authority.

9. That the answering Respondents further submit that the Hon'ble Adjudicating Officer may please to examine witnesses for just disposal of the case. Further, the answering Respondents may be permitted to cross-examine Applicant / FSO and Food Analyst and any other witnesses with the permission of this Hon'ble Authority in interest of justice. This right is also upheld by the Hon'ble Uttarakhand High Court in M/s Cargill India Private Limited vs. State for Uttarakhand & Others reported in 2012 SCC Online UTT 2824 = 2016 (1) FAC 416 (Uttarakhand).
10. That even otherwise the application in the present form is not maintainable and therefore, liable to be dismissed.

    That the Answering Respondents craves leave of the Hon'ble Court to make additional submissions on the merits of the allegations made in the Complaint if the preliminary objection as raised above are decided against the Answering Respondents;

Therefore the Answering Respondents respectfully submits:

a. That the complaint against the Answering Respondents is devoid of any merit and does not make out a prima facie case against the Answering Respondents and there is no sufficient ground for proceedings against the Answering Respondents. In such circumstances the proceedings before this Hon'ble Authority / Court is liable to be dismissed. Further continuation of the adjudication proceedings is not only an abuse of the process of law but also wastev of Authority's valuable and precious time.
b. That the Hon'ble Authority / Court may decide the preliminary objection on maintainability of the Complaint before adjudicating on the merits of the allegations made in the present case;
c. That this submissions is made bonafide and in the interest of natural justice and equity.
d. Under the facts and circumstances stated herein above the Answering Respondents most respectfully prays that this Hon'ble Authority may be pleased to pass an order to dismiss the complaint and discharge the Answering Respondents.
e. And / Or pass such other orders as may be deemed fit and proper. अप्रार्थी संख्या 2, 3, 4, 5 एवं 6 की और से और से प्रस्तुत जवाब परिवाद शामिल पत्रावली होकर रिकार्ड पर है।

दिनांक 17.03.2021 को अधिवक्ता विपक्षीगण हाजिर आये। हाजिर अधिवक्ता विपक्षीगण द्वारा की गई बहस पत्रावली को सुना गया। विद्वान अधिवक्ता विपक्षीगण ने जवाब परिवाद में वर्णित तथ्यों को दोहराया एवं That the complaint against the Answering Respondents is

Signature Not Verified

Digitally signed by Ratan Kumar
Date: 2021.03.31 12:18:48 IST
Reason: SelfAttested

सत्यमेव जयते
Web Copy - Not Official

devoid of any merit and does not make out a prima facie case against the Answering Respondents and there is no sufficient ground for proceedings against the Answering Respondents. In such circumstances the proceedings before this Hon'ble Authority / Court is liable to be dismissed. Further continuation of the adjudication proceedings is not only an abuse of the process of law but also wastev of Authority's valuable and precious time. That the Hon'ble Authority / Court may decide the preliminary objection on maintainability of the Complaint before adjudicating on the merits of the allegations made in the present case; That this submissions is made bonafide and in the interest of natural justice and equity. Under the facts and circumstances stated herein above the Answering Respondents most respectfully prays that this Hon'ble Authority may be pleased to pass an order to dismiss the complaint and discharge the Answering Respondents. And / Or pass such other orders as may be deemed fit and proper. इस प्रार्थना के साथ ही अपनी बहस पत्रावली समाप्त की। हमने पत्रावली का बागौर आद्यौपांत अवलोकन किया। तथ्यों का मनन किया। पत्रावली को वास्ते निर्णय रिजर्व किया गया।

पत्रावली वास्ते निर्णय पेश हुई। हमने पत्रावली का बागौर आद्यौपांत अवलोकन किया। पत्रावली पर उपलब्ध दस्तावेजात का गहनता पूर्वक अध्ययन/परिशीलन किया। आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा प्रस्तुत फार्म नंबर 5 ए की प्रति से जाहिर होता है कि खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा विक्रेता/मालिक को मिडियम फेट फ्रोजन डेजर्ट (क्रीमबेल) 40 मिली की पोली पैक का नमूना वास्ते जांच लेने हेतु सूचना दी गई जिस पर विपक्षी संख्या 1 एवं मौके के गवाहान के हस्ताक्षर है। आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा नमूना लिये जाने हेतु विक्रेता/मालिक से नियमानुसार खाद्य पदार्थ क्रय किया गया जिसकी पुष्ठि नमूना खरीद बिल से होती है, उस पर भी विक्रेता एवं गवाहान की शहादत के रूप में हस्ताक्षर है। आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा तैयार किया गया मौका फर्द रिपोर्ट दिनांक 16.05.2015 का अवलोकन किया। मौका फर्द रिपोर्ट दिनांक 16.05.2015 से जाहिर होता है कि उक्त खाद्य पदार्थ मिडियम फेट फ्रोजन डेजर्ट (क्रीमबेल) 40 मिली की पोली पैक जिसका नमूना खरीद बिल पत्रावली पर उपलब्ध है से क्रय किया एवं उस पर अभिहित अधिकारी (खाद्य सुरक्षा) व मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, चित्तौड़गढ़ की हस्ताक्षरशुदा पेपर स्लिप संख्या **AM-538** नियमानुसार प्रत्येक नमूना भाग पर ऊपर सीरे से लेकर नीचे पेंदे तक व वापस सीरे तक लगातार गोलाई में गोन्द से चिपकाई एवं धागे से बांध कर नियमानुसार ब्रास सील संख्या 67 से सील चपडी किया। इस से स्पष्ट होता है कि खाद्य पदार्थ को नियमानुसार सील किया गया है। हमने खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा तैयार फार्म नंबर 6 की प्रति का अवलोकन किया। कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, चित्तौड़गढ़ के पत्रांक/एफएसएसए/2015/एसपी–01 दिनांक 18.05.2015 से पत्रवाहक माधवलाल (सहायक कर्मचारी) के साथ आउटर कवर में सील बंद नमूने फार्म नंबर 6 एवं सील्ड लिफाफे खाद्य विश्लेषक, खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्रयोगशाला, उदयपुर को नमूना क्रमांक **AM-538** मय लिफाफे के जमा कराये जाने हेतु भिजवाया गया।

Signature Not Verified

Digitally signed by Ratan Kumar
Date: 2021.03.31 12:18:48 IST
Reason: SelfAttested

सत्यमेव जयते
Web Copy - Not Official

हमने खाद्य विश्लेषक जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला उदयपुर की रसीद को अवलोकन किया जिससे से जाहिर होता है कि पत्रवाहक माधवलाल (सहायक कर्मचारी) द्वारा उक्त नमूना मय लिफाफे के दिनांक 18.05.2015 को जमा कराया गया। हमने आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा प्रस्तुत नियम 2.4.1(10)(ii) एवं 2.4.1(10)(iii) के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, चित्तौड़गढ़ की रसीद का अवलोकन किया जिस से जाहिर होता है कि आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा विपक्षी संख्या 1 से लिये गये शेष 3 नमूनों एवं फार्म संख्या 6 की प्रतियों को नियमानुसार अभिहित अधिकारी को जमा कराये गयें। खाद्य विश्लेषक, खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्रयोगशाला, उदयपुर के पत्रांक/284 दिनांक 27.05.2015 से अभिहित अधिकारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, चित्तौड़गढ़ को सूचित किया गया कि कार्य की अधिकता से खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 की धारा 46(3) के प्रावधानानुसार 14 दिन के स्थान 25 दिन में रिपोर्ट की जायेगी। उक्त पत्र शामिल पत्रावली होकर रिकार्ड पर है। विपक्षी संख्या 1 द्वारा आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी को दिये गये बिल संख्या 940 मैसर्स हनी एन्टरप्राईजेज, रावतभाटा का अवलोकन किया जो कि पत्रावली पर उपलब्ध है। विपक्षी संख्या 2 द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज का अवलोकन किया। विपक्षी संख्या 2 द्वारा मैसर्स अंबिका फुड्स, कोटा का **Tax Invoice** संख्या **T00053/1516** दिनांक 15.04.2015 प्रस्तुत किया। जो कि शामिल पत्रावली होकर रिकार्ड पर है। कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, सवाई माधोपुर द्वारा पत्रांक/एफएसएसए/2015/2649 दिनांक 11.09.2015 से मैसर्स अंबिका फुड्, कोटा से उक्त खाद्य पदार्थ के संबंध में जानकारी एवं दस्तावेज चाहे गयें, उक्त पत्र रिकार्ड पर होकर शामिल पत्रावली है। इस पर मैसर्स अंबिका फुड्, कोटा द्वारा दस्तावेज एवं मैसर्स **DEVYANI FOOD INDUSTRIES Ltd. Jaipur** की **INVOICE** संख्या **39009363** दिनांक 09.05.2015 की प्रति प्रस्तुत की। उक्त इन्वोईस मैसर्स अंबिका फुड्, कोटा के नाम पर जारी की गई है। उक्त इन्वोईस के क्रम संख्या 7 पर उक्त विवादित खाद्य पदार्थ **CHOCO VANILA CHOC 65 ML** अंकित है। जिससे जाहिर होता है कि उक्त विवादित खाद्य पदार्थ मैसर्स **DEVYANI FOOD INDUSTRIES Ltd. Jaipur** द्वारा जरिये **INVOICE** संख्या **39009363** दिनांक 09.05.2015 से मैसर्स अंबिका फुड्, कोटा को विक्रय किया गया है। उक्त **INVOICE** संख्या **39009363** दिनांक 09.05.2015 पर मैसर्स **DEVYANI FOOD INDUSTRIES Ltd. Jaipur** का पता अंकित है। कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, सवाई माधोपुर के पत्रांक/एफएसएसए/16/1055 दिनांक 04.04.2016 से मैसर्स **DEVYANI FOOD INDUSTRIES Ltd. Jaipur** को आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा फार्म **V A**, जांच रिपोर्ट एवं अंबिका फुड्स कोटा द्वारा प्रस्तुत बिल की प्रति जरिये रजिस्टर्ड डाक से प्रेषित की गई है, उक्त पत्र रिकार्ड पर है। इस संबंध में पत्रांक/एफएसएसए/16/1212 दिनांक 07.05.2016 एवं सम/1661 दिनांक 28.06.2016 से सूचना चाही गई। उक्त पत्र

Signature Not Verified

Digitally signed by Ratan Kumar
Date: 2021.03.31 12:18:48 IST
Reason: SelfAttested

सत्यमेव जयते
Web Copy - Not Official

शामिल पत्रावली होकर रिकार्ड पर है। इस संबंध में पत्रांक/एफएसएसए /16/2205 से भी प्रेषित किया गया। इस पर मैसर्स **DEVYANI FOOD INDUSTRIES Ltd. Gurgaon** द्वारा दिनांक 10.08.2016 से दस्तावेज प्रस्तुत किये गये। मैसर्स **DEVYANI FOOD INDUSTRIES Ltd. Jaipur** द्वारा मैसर्स मैसर्स **DEVYANI FOOD INDUSTRIES Ltd. Mathura** द्वारा जारी **Delivery** संख्या 65153240 की प्रति प्रेषित की गई जो कि शामिल पत्रावली होकर रिकार्ड पर है। उक्त पत्र से जाहिर होता है कि उक्त खाद्य पदार्थ **DEVYANI FOOD INDUSTRIES Ltd. Mathura** द्वारा **DEVYANI FOOD INDUSTRIES Ltd. Jaipur** को सप्लाई किया गया। हमने खाद्य विश्लेषक, उदयपुर की रिपोर्ट **LS 266/Act/2015/328 Dated 09-06-2015** का गहनता पूर्वक अवलोकन किया। खाद्य विश्लेषक, उदयपुर रिपोर्ट एवं मतानुसार अनुसार :–

Report No LS 266/ Act/2015/ 328

Certified that I PANKAJ KUMAR duly appointed under the provisions of Food Safety and Standards Act, 2006 (34 of 2006) for RAJASTHAN STATE received from Sh. Devendra Singh Ranawat, Food Safety Officer District Chittorgarh, a sample of Fruit drink (Tropicana Slice) bearing code no. and serial no. AM-538 of Designated officer (Food Safety) Cum C.M.&H.O, of District Chittorgarh on 18-05-2015 for analysis.
The condition of seals on the container and the outer covering on receipt was as follows Brass Seal No 67 Intact and unbroken. The scals fixed on the container and outer cover tallied with the specimen scal impression sent separately, along with the copy of the memorandum ,in sealed envelope.
I found the sample to be Dairy Based Dessert falling under Regulation No. 2.1.7.3 Medium Fat Frozen Dessert of Food Safety and Standards (food products standards and food additives) Regulations 2011. The sample was in a condition fit for analysis and has been analyzed on 25.05.2015 to 09.06.2015 and the result of its analysis is given below-

ANALYSIS REPORT--
(i) Sample description:- The sample contained in a wide mouth glass jar. Ix8 (40ml)
(ii) Physical appearance:- Brownish in colour, homogeneous liquid at room temperature.
(iii) Label :-- Brand- Cream bell, Name of Artical- Medium Fat Frozen Dessert, Mfg. by. Devyani Food Industries Ltd., Khasra/plot no. 452, 453, 455, 473 & 475, 107 km. Distance Stone, Agra delhi National Highway NH-2, Village- Dautana, Th.- Chhata, Dist.- Mathura (U.P.), Pkd. on.- May-15, Batch No.- (M)08, Best before 12 months- Present, Green symbol of veg.- Present. Ingredients- Present, Nut. Value- Given. Bar Code-8906023415048, Fssai Lic. No.- 10012051000142.

S. No.	Quality characteristics	Name of method of test used	Result	Prescribed standards asper (a) Food Safety and Standards(food products Standards and food additive) Regulations 2011|2.3.10(1)] (b) As per label declaration For proprietary food (c) As per provisions of the Act, rules, and regulations for both the above
1	Total Fat	Rose-Gottleib method, Ref- Manual methods-D.G.H.S.	19.793%	More than 2.5% but less than 10 %
2	Total Protein (Nx6.25)	Kjeldahl method, Rer Manual methods D.G.H.S.	3.26%	3.5 % min.
3	Total solids	Air oven method, Ref- Manual methods-D.G.I.S.	53.09 %	30 % min
4	Test for starch	lodine test method, Rel. Munual methods. D.G.H.S.	Negative	

Signature Not Verified

Digitally signed by Ratan Kumar
Date: 2021.03.31 12:18:48 IST
Reason: SelfAttested

सत्यमेव जयते
Web Copy - Not Official

5	Test for added sugar	Modified seliwanoff method, Ref- Manual methods-D.G.H.S.	Positive	Positive
6	Test for Urea	DMAB method, Ref- Manual methods-D.G.H.S.	Negative	Negative
7	Test for artificial sweeteners	Phenolsulfuric acid test, Ref. Manual method-D.G.H.S. (Food Additives)	Negative	Negative
8	Added Colour	Paper Chromatographic method, Ref:- Manual method-D.G.H.S. (Food Additives)	Absent	Permitted
Test performed to ascertain the nature and quality of fat used in the preparation for this purpose, fat has been extracted from the product after separating the dried and filtered.				
9	Butyrorefractometer reading at 40°c,of extracted fat.	Instrumental method, Ref- Manual methods-D.G.H.S. (oils& fats)	40.20	
10	Reichert value	Distilliation & titration method,. Ref.- Manual method-D.G.H.S. (oils& fats)		24.0 min. (Prescribed for ghee (milk fat under item no. 2.1.10.3)

Opinion:- The sample Medium Fat Frozen Dessert (Cream bell) Bearing code no, and serial no. AM-538 of Designated officer (Food Safety) Cum C.M.&H.O of District Chittorgarh is sub-standard as Total Fat & Total Protein (Nx6.25) are does not meet the specified standards as prescribed in Food Safety and Standards (food products standards and food additives) Regulations 2011. The sample is sub-standard under section 3(1)(zx) of the Food Safety and Standards Act 2006.

खाद्य विश्लेषक, उदयपुर की रिपोर्ट से जाहिर होता है कि आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी नरेश कुमार चेजारा द्वारा लिया खाद्य पदार्थ का नमूना जो कि ब्रास सील से सील्ड अवस्था में खाद्य विश्लेषक का प्राप्त हुआ। उक्त नमूना निांक 25.05.2015 से 09.06.2015 तक जांच के लिये उचित था। उक्त नमूने के संबंध में खाद्य विश्लेषक द्वारा अपनी रिपोर्ट में अवगत कराया गया है कि **Dairy Based Dessert falling under Regulation No. 2.1.7.3 Medium Fat Frozen Dessert of Food Safety and Standards (food products standards and food additives) Regulations 2011.,** एवं **The sample Medium Fat Frozen Dessert (Cream bell) Bearing code no, and serial no. AM-538 of Designated officer (Food Safety) Cum C.M.&H.O of District Chittorgarh is sub-standard as Total Fat & Total Protein (Nx6.25) are does not meet the specified standards as prescribed in Food Safety and Standards (food products standards and food additives) Regulations 2011. The sample is sub-standard under section 3(1)(zx) of the Food Safety and Standards Act 2006**. है, एवं उक्त नमूना जिस पर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, चित्तौड़गढ़ की हस्ताक्षरशुदा पेपर स्लिप संख्या **AM-538** मिडियम फेट फोजन डेजर्ट (क्रीमबेल) 40 मिली की पोली पैक खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 की धारा **3(1)(zx)** के तहत मिस ब्राण्ड स्तर का पाया गया है। जिसकी पुष्टि स्वरूप खाद्य विश्लेषक द्वारा रिपोर्ट प्रेषित की गई है जो कि रिकार्ड पर है। हमने अभिहित अधिकारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, चित्तौड़गढ़ के रजिस्टर्ड पत्रांक/एफएसएसए/2015/2127 दिनांक 19.06.2015 का अवलोकन किया, जिसमें अभिहित अधिकारी द्वारा मैसर्स वैष्णव मिष्ठान भण्डार को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 नियम 2011 की धारा 46(4) के तहत खाद्य विश्लेषक, उदयपुर से प्राप्त रिपोर्ट की प्रति प्रेषित की एवं रेफरल खाद्य प्रयोगशाला से जांच कराये जाने के संबंध में

Signature Not Verified

Digitally signed by Ratan Kumar
Date: 2021.03.31 12:18:48 IST
Reason: SelfAttested

सत्यमेव जयते
Web Copy - Not Official

अवगत कराया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, चित्तौड़गढ़ द्वारा पत्रांक/एफएसएसए/2016/4965 दिनांक 03.10.2016 आयुक्त (खाद्य सुरक्षा) एवं निदेशक (जन स्वास्थ्य) चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें जयपुर को समयावधि विस्तार किये जाने हेतु निवेदन किया गया। इस पर आयुक्त (खाद्य सुरक्षा) एवं निदेशक (जन स्वास्थ्य) चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें जयपुर के आदेश क्रमांक/एफएसएसए/एफ–10 /(ii)/2016/1099 दिनांक 04.11.2016 से खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 की धारा 77 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग से प्रकरण में समय सीमा का विस्तार किया गया। इस पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, चित्तौड़गढ़ द्वारा पत्रांक/एफएसएसए/ 2016/5633 दिनांक 17.11.2016 द्वारा खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 नियम 2011 की धारा 36 की उपधारा 3(e) के तहत अभियोजन आवेदन प्रस्तुत किये जाने की अभियोजन स्वीकृति आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी को दी जाकर अधिकृत किया गया है। उक्त समस्त दस्तावेज शामिल पत्रावली होकर रिकार्ड पर है। विपक्षीगण अपने जवाब परिवाद में उठाये गये तथ्यों के संबंध में विपक्षीगण को अभिहित अधिकारी द्वारा खाद्य विश्लेषक उदयपुर की रिपोर्ट प्रेषित की जाकर जरिये रजिस्टर्ड पत्र से रेफरल खाद्य प्रयोगशाला से नमूना जांच हेतु अवगत करा दिया किन्तु विपक्षीगण अधिनियम की धारा 46(4) का प्रयोग निर्धारित समयावधि में नहीं किया गया प्रतीत होता है। इसके साथ ही विपक्षीगण द्वारा अपने जवाब परिवाद में न्यायिक दृष्टांतों का उल्लेख किया गया है, उक्त न्यायिक दृष्टांत हस्तगत प्रकरण पर पूर्ण रूप से चस्पांगी नहीं होते है। इसके साथ ही विपक्षीगण द्वारा जो तथ्य अपने जवाब परिवाद में उठाये गये है उन तथ्यों को आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी दस्तोवेजी साक्ष्य से साबित कराया गया है, एवं हम आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा किये गये अनुसंधान से पूर्ण रूप से संतुष्ट है, ऐसी स्थिति में हमारा अभिमत है कि पत्रावली में किसी भी प्रकार अतिरिक्त साक्ष्य एवं शहादत की आवश्यकता नहीं है। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 की धारा 25 में खाद्य पदार्थो के आयात एवं धारा 26 में खाद्य कारोबारकर्त्ता के दायित्वों का उल्लेख किया गया है। इसके अनुसार प्रत्येक खाद्य कारोबारकर्त्ता यह सुनिश्चित करेगा कि खाद्य वस्तुएं इस अधिनियम और इसके अधीन बनाए गए नियमों और विनियमों कि अपेक्षाओं को अपने नियंत्रणाधीन कारोबार को अंदर उत्पादन, प्रसंस्करण, आयात, वितरण और विक्रय के सभी प्रक्रमों को पूरा करती है। निर्माता को निर्माण/पैकिंग के समय ही लेबल पर नियमानुसार सभी आवश्यक पूर्तियां करनी चाहिये थी, किन्तु अप्रार्थी का भी यह दायित्व बनता है कि वह आयातित खाद्य पदार्थ के विक्रय हेतु प्रदर्शित करने से पूर्व यह सुनिश्चित करना चाहिये कि उक्त खाद्य पदार्थ पर नियमानुसार पूर्ति है। सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 एवं नियम 2011 की धारा 26 की उप धारा **(2) (ii)** का अवलोकन किया

Signature Not Verified

Digitally signed by Ratan Kumar
Date: 2021.03.31 12:18:48 IST
Reason: SelfAttested

सत्यमेव जयते
Web Copy - Not Official

अधिनियम की धारा 25 से 27 में निम्न प्रावधान प्रावधित किये गये है :–

25. All imports of articles of food to be subject to this Act.

(1) No person shall import into India –

(i) any unsafe or misbranded or sub-standard food or food containing extraneous matter;

(ii) any article of food for the import of which a licence is required under any Act or rules or regulations, except in accordance with the conditions of the licence; and

(iii) any article of food in contravention of any other provision of this Act or of any rule or regulation made thereunder or any other Act.

(2) The Central Government shall, while prohibiting, restricting or otherwise regulating import of article of food under the Foreign Trade (Development and Regulation) Act, 1992 (22 of 1992), follow the standards laid down by the Food Authority under the provisions of this Act and the Rules and regulations made thereunder.

26. Responsibilities of the Food business operator.

(1) Every food business operator shall ensure that the articles of food satisfy the requirements of this Act and the rules and regulations made thereunder at all stages of production, processing, import, distribution and sale within the businesses under his control.

(2) No food business operator shall himself or by any person on his behalf manufacture, store, sell or distribute any article of food –

(i) which is unsafe; or

(ii) which is misbranded or sub-standard or contains extraneous matter; or

(iii) for which a licence is required, except in accordance with the conditions of the licence; or

(iv) which is for the time being prohibited by the Food Authority or the Central Government or the State Government in the interest of public health; or

(v) in contravention of any other provision of this Act or of any rule or regulation made thereunder.

(3) No food business operator shall employ any person who is suffering from infectious, contagious or loathsome disease.

(4) No food business operator shall sell or offer for sale any article of food to any vendor unless he also gives a guarantee in writing in the form specified by regulations about the nature and quality of such article to the vendor: Provided that a bill, cash memo, or invoice in respect of the sale of any article of food given by a food business operator to the vendor shall be deemed to be a guarantee under this section, even if a guarantee in the specified form is not included in the bill, cash memo or invoice.

(5) Where any food which is unsafe is part of a batch, lot or consignment of food of the same class or description, it shall be presumed that all the food in that batch, lot or consignment is also unsafe, unless following a detailed assessment within a specified time, it is found that there is no evidence that the rest of the batch, lot or consignment is unsafe: Provided that any conformity of a food with specific provisions applicable to that food shall be without prejudice to the competent authorities taking appropriate measures to impose restrictions on that food being placed on the market or to require its withdrawal from the market for the reasons to be recorded in writing where such authorities suspect that, despite the conformity, the food is unsafe.

Signature Not Verified

Digitally signed by Ratan Kumar
Date: 2021.03.31 12:18:48 IST
Reason: SelfAttested

सत्यमेव जयते
Web Copy - Not Official

27. Liability of the manufacturers, packers, wholesalers, distributors and sellers

(1) The manufacturer or packer of an article of food shall be liable for such article of food if it does not meet the requirements of this Act and the rules and regulations made thereunder.

(2) The wholesaler or distributor shall be liable under this Act for any article of food which is–

(a) Supplied after the date of its expiry; or

(b) Stored or supplied in violation of the safety instructions of the manufacturer; or

(c) Unsafe or misbranded; or

(d) Unidentifiable of manufacturer from whom the article of food have been received; or

(e) Stored or handled or kept in violation of the provisions of this Act, the rules and regulations made thereunder; or

(f) received by him with knowledge of being unsafe.

(2) The seller shall be liable under this Act for any article of food which is –

(a) sold after the date of its expiry; or

(b) handled or kept in unhygienic conditions; or

(c) misbranded; or

(d) unidentifiable of the manufacturer or the distributors from whom such articles of food were received; or

(e) received by him with knowledge of being unsafe.

अधिनियम के अनुसार खाघ पदार्थ विक्रेता/निर्माता को उक्तानुसार विधि की पालना किया जाना अपेक्षित है, किन्तु इनके द्वारा इसकी जांच नही कर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 एवं नियम 2011 की धारा 26 की उप धारा **(2) (ii)** का उल्लघंन किया गया है। अतः उक्त प्रावधानों के तहत् अप्रार्थीगण को दोष मुक्त नही किया जा सकता है। अतः अप्रार्थीगण को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 एवं नियम 2011 की धारा 26 की उप धारा **(2) (ii)** का उल्लघंन किये जाने का दोष प्रमाणित माना जाता है एवं अप्रार्थीगण विपक्षी संख्या 1 को उक्त खाद्य पदार्थ का विक्रेता होने से, विपक्षी संख्या 2 को विक्रेता फर्म को उक्त खाद्य पदार्थ प्रदायक होने से, विपक्षी संख्या 3 विक्रेता की प्रदायक फर्म को सप्लाई किये जाने से एवं विपक्षी संख्या 5 एवं 6 जो कि विपक्षी संख्या 6 निर्मात फर्म के नोमिनी होने से अप्रार्थीगण का दोष प्रमाणित माना जाता है, अतः अप्रार्थी संख्या 1 श्री पूरण दास बैरागी पुत्र विष्णु दास बैरागी मैसर्स वैष्णव मिष्ठान भण्डार, अणु शक्ति कॉलोनी शॉपिंग सेन्टर, पोस्ट रावतभाटा जिला चित्तौड़गढ़ निवासी आर्दश विद्या मन्दिर के पास, नया बाजार रावतभाटा जिला चित्तौड़गढ़, अप्रार्थी संख्या 2 श्री हीरो आलमचन्दानी पुत्र दयाराम आलमचन्दानी मैसर्स हनी एन्टरप्राईजेज, हाट चौक चेतक मार्केट, पोस्ट रावतभाटा जिला चित्तौड़गढ़, अप्रार्थी संख्या 3 श्री अंकित बोहरा पुत्र चन्द्रप्रकाश बोहरा मैसर्स अम्बिका फूड्स, 262 शॉपिंग सेन्टर कोटा एवं बी 16 गली नं0 8 कृष्णा नगर वार्ड नं0 33 कोटा, अप्रार्थी संख्या 4 श्री वीरेन्द्र पोरवाल पुत्र कैलाश नाथ पोरवाल

Signature Not Verified

Digitally signed by Ratan Kumar
Date: 2021.03.31 12:18:48 IST
Reason: SelfAttested

सत्यमेव जयते
Web Copy - Not Official

(नोमिनी) मैसर्स देवयानी फूड इण्डस्ट्रीज लिमिटेड आर 21–22–23 पावर हाउस के सामने झोटवाडा, इण्डस्ट्रीयल एरिया झोटवाडा जयपुर एवं अप्रार्थी संख्या 5 श्री इन्द्र प्रताप सिंह पुत्र बी.पी. सिंह (नोमिनी) मैसर्स देवयानी फूड इण्डस्ट्रीज लिमिटेड, 107 किमी स्टोन आगरा दिल्ली हाईवे, ग्राम दौताना तहसील छता जिला मथुरा 281401 को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 एवं नियम 2011 की धारा 26 की उप धारा **(2) (ii)** के दोष का दोषी पाया जाकर दोषसिद्धि घोषित की जाती है।

खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 एवं नियम 2011 की धारा 26 की उप धारा **(2) (ii)** के तहत दोष सिद्ध अभिुक्त को अधिनियम की धारा 51 के अनुसार अर्थदण्ड से दण्डित किये जाने के प्रावधान है। हमने पत्रावली का आद्यौपांत अवलोकन किया। तथ्यों का मनन किया। अर्थदण्ड के बिन्दु पर चिंतन किया। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 एवं नियम 2011 के तहत दोष सिद्ध अभियुक्त को अर्थदण्ड से दण्डित किये जाने के संबंध में अधिनियम की धारा 49 में वर्णित तथ्यों के आधार पर दण्डित किये जाने के प्रावधान प्रावधित किये गये है। अधिनियम की धारा 49 एवं 51 के अनुसार–

49. General provisions relating to penalty.
While adjudging the quantum of penalty under this Chapter, the Adjudicating Officer or the Tribunal, as the case may be, shall have due regard to the following:-

(a) The amount of gain or unfair advantage, wherever quantifiable, made as a result of the contravention,
(b) The Amount of loss caused or likely to cause to any person as a result of the contravention,
(c) The repetitive nature of the contravention,
(d) Whether the contravention is without his knowledge, and
(e) Any other relevant factor,

51. Penalty for sub-standard food.
Any person who whether by himself or by any other person on his behalf manufactures for sale or stores or sells or distributes or imports any article of food for human consumption which is sub-standard, shall be liable to a penalty which may extend to five lakh rupees.

विपक्षी संख्या 1, 2, 3, 4 एवं 5 की दोष सिद्धि घोषित की गई है, इसके साथ विपक्षी संख्या 6 निर्माता कम्पनी है, जिसके नोमिनी विपक्षी संख्या 4 एवं 5 है, जिससे अर्थदण्ड विपक्षी संख्या 1, 2, 3, 4, 5 एवं 6 पर किया जाना उचित प्रतीत होता है, अतः अप्रार्थीगण द्वारा उक्त खाद्य पदार्थ का विक्रय एवं निर्माण करने से खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 एवं नियम 2011 की धारा 26 की उप धारा **(2) (ii)** में अभियुक्त की दोषसिद्धि घोषित किये जाने से अभियुक्त संख्या 1 श्री पूरण दास बैरागी पुत्र विष्णु दास बैरागी मैसर्स वैष्णव मिष्ठान भण्डार, अणु शक्ति कॉलोनी शॉपिंग सेन्टर, पोस्ट

Signature Not Verified

Digitally signed by Ratan Kumar
Date: 2021.03.31 12:18:48 IST
Reason: SelfAttested

सत्यमेव जयते
Web Copy - Not Official

रावतभाटा जिला चित्तौड़गढ़ निवासी आर्दश विद्या मन्दिर के पास, नया बाजार रावतभाटा जिला चित्तौड़गढ़ को रूपये 15,000/– अक्षरे पन्द्रह हजार रूपये मात्र, अप्रार्थी संख्या 2 श्री हीरो आलमचन्दानी पुत्र दयाराम आलमचन्दानी मैसर्स हनी एन्टरप्राईजेज, हाट चौक चेतक मार्केट, पोस्ट रावतभाटा जिला चित्तौड़गढ़ को रूपये 20,000/– अक्षरे बीस हजार रूपये मात्र, अप्रार्थी संख्या 3 श्री अंकित बोहरा पुत्र चन्द्रप्रकाश बोहरा मैसर्स अम्बिका फूड्स, 262 शॉपिंग सेन्टर कोटा एवं बी 16 गली नं0 8 कृष्णा नगर वार्ड नं0 33 कोटा को रूपये 40,000/– अक्षरे चालीस हजार रूपये मात्र अप्रार्थी संख्या 4 श्री वीरेन्द्र पोरवाल पुत्र कैलाश नाथ पोरवाल (नोमिनी) मैसर्स देवयानी फूड इण्डस्ट्रीज लिमिटेड आर 21–22–23 पावर हाउस के सामने झोटवाडा, इण्डस्ट्रीयल एरिया झोटवाडा जयपुर को रूपये 50,000/– अक्षरे पचास हजार रूपये मात्र, अप्रार्थी संख्या 5 श्री इन्द्र प्रताप सिंह पुत्र बी.पी. सिंह (नोमिनी) मैसर्स देवयानी फूड इण्डस्ट्रीज लिमिटेड, 107 किमी स्टोन आगरा दिल्ली हाईवे, ग्राम दौताना तहसील छता जिला मथुरा 281401 को रूपये 50,000/– अक्षरे पचास हजार रूपये मात्र एवं उक्त खाद्य पदार्थ की निर्माता फर्म मैसर्स देवयानी फूड इण्डस्ट्रीज लिमिटेड एफ–2/7 ऑखला इण्डस्ट्रीयल एरिया फेज 1 नई दिल्ली 110020 को रूपये 1,25,000/– अक्षरे एक लाख पच्चीस हजार रूपये मात्र अर्थात् अप्रार्थीगण को शास्ति राशि कुल रूपये 3,00,000/– अक्षरे तीन लाख रूपये मात्र के अर्थदण्ड से दण्डित किया जाता है।

अभियुक्त उपरोक्त अर्थदण्ड एक माह की अवधि में मुख्य चिकित्सा एंव स्वास्थ्य अधिकारी, चित्तौड़गढ़ के मार्फत राजकोष में जमा करावें। मुख्य चिकित्सा एंव स्वास्थ्य अधिकारी चित्तौड़गढ़ को निर्देश दिये जाते है कि नियत समयावधि में शास्ति राशि जमा नही कराने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 की धारा 96 के तहत् शास्ति राशि भू–राजस्व के बकाया की तरह वसूल करने की कार्यवाही करावे। निर्णय की प्रति मुख्य चिकित्सा एंव स्वास्थ्य अधिकारी चित्तौड़गढ़ को पालनार्थ भिजवाई जावें। पत्रावली की गणना निर्णित इन्द्राज की जाकर बाद आवश्यक कार्यवाही के अभिलेखागार भिजवाई जावे।

यह निर्णय खुले न्यायालय में आज दिनांक **24.03.2021** को लिखाया जाकर सुनाया गया।

सत्यमेव जयते
Web Copy - Not Official

(रतन कुमार)
न्याय निर्णयन अधिकारी
एवं अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट,
जिला चित्तौड़गढ़

Signature Not Verified

Digitally signed by Ratan Kumar
Date: 2021.03.31 12:18:48 IST
Reason: SelfAttested